तृतीय प्रश्न–पत्र : साहित्य शास्त्र

पाठ्य विषय – पाँच इकाइयों में विभक्त होगा। – अंक – 100

इकाई – I

साहित्य की परिभाषा, तत्त्व एवं उद्देश्य।

काव्य के लक्षण – काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई – II

भारतीय साहित्य सिद्धान्त – रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य।

रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।

इकाई – III

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त – प्लेटो और अरस्तू, अनुकरण सिद्धान्त, अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त, लौंजाइनस का उदात्त तत्त्व, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

मार्क्सवादी आलोचना : विचार प्रणाली और साहित्य।

इकाई – IV

आधुनिक हिन्दी समीक्षा के प्रमुख रूप – शास्त्रीय, स्वच्छन्दतावादी, प्रगतिवादी और नयी समीक्षा।

इकाई – V

मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ – विडम्बना, अजनबीपन, विसंगति, अन्तर्विरोध, विखण्डन

स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

सहायक ग्रंथ –

1. भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा – डॉ. नगेन्द्र

   नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली –110002

2. काव्य शास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र

   विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी – 221001

3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चन सिंह

   हरियाणा साहित्य अकादमी, 1563, सेक्टर 18, डी, चण्डीगढ़–160018

4. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – डॉ. बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. कृष्णदेव झारी

   शारदा प्रकाशन, एफ 3/16, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा

   मयूर पेपर बैक्स, नोएडा

7. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, कुसुम बांठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

8. साहित्य निबन्ध – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

   लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद